समाजशास्त्र (SOCIOLOGY)

i. सामाजिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन (Scientific Study of Social Phenomena)–समाजशास्त्र का आविर्भाव, अन्य शिक्षा शाखाओं से इसका संबंध, उनका क्षेत्र विस्तार एवं संबंधी धारणायें विज्ञान और सामाजिक व्यवहार का अध्यन यथार्थता, विश्वसनीयता एवं समस्याएँ। वैज्ञानिक विधि एवं भाषा, उनका अर्थ उद्देश्य प्रकार तत्व एवं विशेषताएँ। सामाजिक अनुसंधान संरचना, तथ्य संकलन एवं तथ्य विश्लेषण की विधियाँ अभिवृत्ति मापन समस्याएँ एवं तकनीकि शैली (स्केल्स) : आर0 एम0 मेकाइवर की कार्य कारण अवधारणा।

ii. समाजशास्त्रके क्षेत्र में पथ–प्रदर्शक योगदान(Pioneering Contributions to Sociology)–सैद्धान्तिक प्रारंभ एवं विकासवाद के सिद्धांत– कॉम्ट, स्पेन्सर तथा मॉर्गनः ऐतिहासिक समाजशात्र– कार्ल मार्क्स, मैक्स बेबर एवं पी0ए0, सरोकिन : प्रकार्यवाद– ई0 दुरखेम, पैरेटो, पार्सन्स एवं मर्टन। संघर्षवादी सिद्धांत : गुमलोविज, डहरेनहार्फ एवं कोबर, समाजशास्त्र के आधुनिक विचारधाराएँ। सम्पूर्णालक एवं अल्पार्थक समाजशास्त्र, मध्यम स्तरीय सिद्धांत, विनिमय सिद्धांत।

iii. सामाजिक संरचना एवं सामाजिक संगठन (Social Structure and Social Organization)–अवधारणा एवं प्रकार, सामाजिक संरचना संबंधित विचारधाराएँ, संरचना प्रकार्यवादी मार्क्सवादी सिद्धांत, सामाजिक संरचना के तत्व, व्यक्ति एवं समाज, सामाजिक अन्तः क्रिया, सामाजिक समूह–अवधारणाएँ एवं प्रकार, सामाजिक स्तर एवं भूमिका, उनके निर्धारक एवं प्रकार, सरल समाजों में भूमिका के विभिन्न परिमाण, भूमिका संघर्ष, सामाजिक जाल, अवधारणा एवं प्रकार संस्कृति एवं व्यक्तित्व अनुरूपता एवं सामाजिक नियंत्रण की अवधारणा। सामाजिक नियंत्रण के साधन, अल्पसंख्यक समूह बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक संबंध।

JSSC Exam

iv. सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता (Social Stratification and Mobility)- सामाजिक स्तरीकरण के अवधारणा, प्रभाव एवं प्रकार, असमानता एवं स्तरीकरण, स्तरीकरण के आधार एवं परिमाण, स्तरीकरण संबंधी विचारधाराएँ, प्रकार्यवाद एवं संघर्षवाद विचारधाराएँ, सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता, संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण, गतिशीलता के प्रकार अन्तर्पिढ़ी गतिशीलता, उदग्र गतिशीलता बनाम क्षैतिज गतिशीलता, गतिशीलता के प्रतिरूप।

v. परिवार, विवाह एवं नातेदारी (Family marriage and Kinship)–संरचना, प्रकार्य एवं प्रकार, समाजिक परिवर्तन एवं आयु एवं स्त्री–पुरुष भूमिकाओं में परिर्वतन, विवाह, परिवार एवं नातेदारी में परिवर्तन, प्राद्योगिक समाज में परिवार का महत्व।

vi. औपचारिक संगठन (Formal Organizations)–औपचारिक तथा अनऔपचारिक संगठनों के तत्व, नौकरशाही प्रकार्य अकार्य एवं विशेषताएँ नौकरशाही एवं राजनैतिक विकास, समाजिकरण एवं राजनैतिक सहभगिता, सहभागिता के विभिन्न रूप सहभागिता के लोकतंत्रिक तथा सत्तात्मक स्वरूप, स्वैच्छिक मण्डली।

vii. आर्थिक प्रणाली (Economic System)–सम्पत्ति की अवधारणाएँ, श्रम विभाजन के समाजिक प्रतिमाण, विनिमय के विभिन्न प्रकार, पूर्व औद्योगिक एवं औद्योगिक अर्थ व्यवस्था के अर्थ–व्यवस्था का सामाजिक पक्ष, औद्योगिकरण तथा राजनीतिक, शैक्षिक, धार्मिक, पारिवारिक एवं स्तरविन्यासी क्षेत्रों में परिवर्त्तन, आर्थिक विकास के निर्धारक तत्व एवं उनके परिणाम।

JSSC Exam

viii. राजनीतिक व्यवस्था(Political System)–राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा, तत्व प्रकार, राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत संस्थाएँ, व्यक्ति समूह, राजनीतिक संगठनों, राजनीतिक दल एवं अन्य साधनों के संदर्भ में राजनीतिक प्रक्रियाएँ, शक्ति प्राधिकार एवं वैधता की अवधारणाएँ, आधार एवं प्रकार, राज्यविहीन समाज की परिकल्पना राजनीतिक सामाजिककरण बनाम राजनीतिक भागीदारी : राज्य की विशेषताएँ: प्रजातंत्रात्मक एवं सत्तात्मक राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत सम्भ्रान्त वर्ग एवं जनसमूह की शक्ति, राजनीतिक दल एवं मतदान, नायकत्व, प्रजातांत्रिक व्यवस्था एवं प्रजातांत्रिक स्थिरता।

ix. शैक्षिक प्रणाली (Educational System)– शिक्षा की अवधारणा के उद्देश्य, शिक्षा पर प्रकृतिवाद, आदर्शवाद एवं पाण्डित्यवाद के प्रभाव : समाज, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, प्रजातंत्र व्यवस्था एवं राष्ट्रवाद के संदर्भ में शिक्षा का महत्त्व, शिक्षा के नये झुकाव, शिक्षा एवं सामाजिककरण में विभिन्न साधन–परिवार विद्यालय, समाज राज्य एवं धर्म की भूमिका। जनसंख्या शिक्षा–अवधारणा एवं तत्त्व। सांस्कृतिक पुनर्जन्म, सैद्धान्तिक मतारोपन, सामाजिक स्तरीकरण, गतिशीलता एवं आधुनिकीकरण के साधन के रूप में शिक्षा की भूमिका।

JSSC Exam

x. धर्म (Religion)–धार्मिक तथ्य, पावन एवं अपावन की अवधारणाएँ, धर्म का सामाजिक प्रकार्य एवं अकार्य, जादू–टोना धर्म एवं विज्ञान, धर्मनिरपेक्षीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन।

xi. सामाजिक परिवर्त्तन के विकास (Social Change and Development)– सामाजिक परिवर्त्तन के आर्थिक जैविक एवं प्राद्यौगिक कारक, सामाजिक परिवर्त्तन के विकासवादी, प्रकार्यवाद एवं संधर्षवाद सिद्धांत, सामाजिक परिवर्त्तन, आधुनिकीकरण एवं उन्नति प्रजातंत्रीकरण, समानता एवं सामाजिक न्याय : सामाजिक पुनर्निर्माण।

JSSC Exam

xii. भारतीय समाज (Indian Society)–पारम्परिक हिन्दु सामाजिक संगठन की विशेषताएँ; विभिन्न समय के समाजिक सांस्कृतिक परिवर्त्तन; भारतीय समाज पर बौद्ध, इस्लाम तथा आधुनिक पश्चिम का प्रभाव। निरन्तरता और परिवर्त्तन के कारक तत्व।

xiii. सामाजिक स्तरीकरण (Social Stratification)–जाति व्यवस्था एवं इसके रूपान्तरण, जाति के संदर्भ में आर्थिक संरचनात्मक एवं सांस्कृतिक मत; जातिप्रथा की उत्पत्ति, हिन्दू एवं गैर हिन्दु जातियों में असमानता एवं सामाजिक न्याय की समस्याएँ। जाति गतिशीलता जातिवाद, पिछड़ी जाति बनाम पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अस्पृश्यता, अनुसचित जातियों में परिवर्त्तन, अस्पृश्यता का उन्मूलन; औद्योगिक एवं कृषि प्रधान समाज की संरचना; मंडल कमीशन एवं सुरक्षा नीति के अन्तर्गत झारखण्ड के अन्तर्जातीय सम्बन्धों के बदलते झुकाव।

xiv. परिवार विवाह एवं नातेदारी (Family Marriage and Kinship)–संगोत्रता व्यवस्था में क्षेत्रीय विविधता एवं उनके सामाजिक सांस्कृतिक सह संबंध, संगोत्रता के बदलते पहलू, संयुक्त परिवार प्रणाली, इसका संरचनात्मक एवं व्यवहारिक पक्ष, इसके बदलते रूप एवं विघटन, विभिन्न नृजातिक समूहों आर्थिक एवं जाति वर्गों में विवाह, भविष्य में उनके बदलते प्रकृति, परिवार एवं विवाह पर कानून तथा सामाजिक–आर्थिक परिर्वत्तनों के बढ़ते पीढ़ि, अन्तराल एवं युवा असंतोष, महिलाओं की बदलती स्थिति, महिला एवं सामाजिक विकास। झारखण्ड में अन्तर्जातीय विवाह–कारण एवं परिणाम।

JSSC Exam

xv. आर्थिक प्रणाली (Economic System)–जजमानी व्यवस्था एवं पारम्परिक समाज पर उसका प्रभाव बाजार, अर्थव्यवस्था और उसके सामाजिक परिणाम, व्यवसायिक विविधिकरण एवं सामाजिक संरचना, व्यवसायिक मजदूर संघ, आर्थिक विकास के सामाजिक निर्धारक तथा उनके परिणाम, आर्थिक असमानताएँ, शोषण और भ्रष्टाचार, झारखण्ड के आर्थिक पिछड़ापन के कारण, झारखण्ड के आर्थिक विकास की सम्भाव्यता, झारखण्ड के संदर्भ में आर्थिक वृद्धि एवं सामाजिक विकास के सह संबंध।

xvi. राजनीतिक व्यवस्था(Political System)–पारम्परिक समाज में प्रजातांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक दल एवं उनकी सामाजिक संरचना, राजनीतिक सम्भ्रान्त वर्ग को उत्पत्ति एवं उनका सामाजिक लगाव, शक्ति का विकेन्द्रीकरण, राजनीतिक भागीदारी, झारखण्ड में मतदान का स्वरूप, झारखण्ड के मतदान प्रणाली में जाति समुदाय एवं आर्थिक कारकों की अनुरूपता, इसके बदलते आयाम, भारतीय नौकरशाही का प्रकार्य, अकार्य एवं विशेषता, भारत में नौकरशाही एवं राजनीतिक विकास, जनप्रभुसत्ता समाज, भारत में जन आन्दोलन के सामाजिक एवं राजनीतिक स्त्रोंत।

xvii. शिक्षा व्यवस्था (Educational System)– पारम्परिक एवं आधुनिक के संदर्भ में समाज एवं शिक्षा, शैक्षणिक असमानताएँ एवं परिवर्त्तन, शिक्षा एवं सामाजिक गतिशीलता, महिलाओं के शिक्षा की समस्याएँ पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जातियों, झारखण्ड में शैक्षणिक पिछड़ेपन के कारण, झारखण्ड में अनियोजित रूप से पनपते संस्थानों के प्रकार्य एवं अकार्य पक्ष। झारखण्ड में उच्च शिक्षा की समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ, नई शिक्षा नीतियाँ, जन शिक्षा।

JSSC Exam

xviii. धर्म (Religion)–जनसंख्यात्मक परिमाण, भौगोलिक वितरण एवं पड़ोस, प्रमुख धार्मिक समुदायों के जीवन शैली, अर्न्तधार्मिक अन्तः कियाएँ एवं धर्मपरिवर्त्तन के रूप में इनका प्रकाशन, अल्पसंख्यक के स्तर, संचार एवं धर्मनिरपेक्षता, भारत के जाति व्यवस्था पर विभिन्न धार्मिक आंदोलनों – बौद्ध, जैन, ईसाई, इस्लाम, ब्रह्मसमाज एवं आर्य समाज के आंदोलनों के प्रभाव, झारखण्ड में पश्चिमीकरण एवं आधुनिकरण, संयुक्तक एवं अलगाव संबंधी कारक, भारतीय सामाजिक संगठन पर धर्म एवं राजनीति के बढ़ते अन्तःक्रिया का प्रभाव।

xix. जनजाति समाज (Tribal Societies)–भारत के प्रमुख जनजातीय समुदाय, उनकी विशिष्ट विशेषताएँ, जनजाति एवं जाति, इनका सांस्कृतिक आदान–प्रदान एवं एकीकरण, झारखण्ड की जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याएँ, जनजाति–कल्याण के विभिन्न विचारधाराएँ, उनके संवैधानिक एवं राजकीय सुरक्षा, भारत में जनजाति आन्दोलन, तानाभगत आन्दोलन, बिरसा आन्दोलन एवं झारखण्ड आन्दोलन, जनजाति के विकास में उनका महत्वपूर्ण स्थान।

xx. ग्रामीण समाज व्यवस्था एवं सामुदायिक विकास (Rural Social System and Community Development)– ग्रामीण समुदाय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम, पारम्परिक शक्ति संरचना, प्रजातांत्रकरण एवं नेतृत्व, गरीबी, ऋणाग्रस्तता एवं बंधुवा मजदूरी, भूमि सुधार के परिणाम, सामुदायिक विकास योजना कार्यक्रम तथा अन्य नियोजित विकास कार्यक्रम तथा हरित क्रांति ग्रामीण विकास की नई नीतियाँ।

xxi. शहरी सामाजिक संगठन (Urban Social Organization)– सामाजिक संगठन के पारम्परिक कारकों, जैसे संगोत्रता जाति और धर्म की निरन्तरता एवं उनके परिवर्तन शहर के संदर्भ में; शहरी समुदायों में सामाजिक स्तरीयकरण एवं गतिशीलता; नृजातिक अनेकता एवं सामुदायिक एकीकरण, शहरी पड़ोसदारी, जनसांख्यिकीय एवं सामाजिक–सांस्कृतिक लक्ष्यों में शहर तथा गांव में अन्तर तथा उनके सामाजिक परिणाम।

JSSC Exam

xxii. जनसंख्या गतिकी (Population dynamics)- जनसंख्या वृद्धि सम्बंधित सिद्धांत–माल्थस, जैविकीय, जनसांख्यिकीय परिवर्त्तन, सर्वाधिक जनसंख्या, जनसंख्या संरचना के सामाजिक सांस्कृतिक पक्ष (लिंग, उम्र, वैवाहिक स्तर), जन्मदर, मृत्युदर एवं स्थानान्तरण के कारक, भारत में जनसंख्या नीति की आवश्यकता जनाधिक एवं अन्य निर्धारक लक्ष्य, जनाधिक्य के मानसिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक निर्धारक एवं भारत में परिवार नियोजन प्रक्रिया के अस्वीकृति में इनकी भूमिका, प्रथम से अष्टम पंचवर्षीय योजनाओं में परिवार नियोजन कार्यक्रम का स्थान। जनसंख्या शिक्षा– अवधारणा, उद्देश्य, पक्ष, साधन एवं जनसंख्या शिक्षा की यंत्रकला।

JSSC Exam

xxiii. सामाजिक परिवर्त्तन एवं आधुनिकीकरण (Social Change and Modernisation)– भूमिका संघर्ष की समस्या, युवा असंतोष, पीढ़ियों का अन्तर, महिलाओं की बदलती स्थिति, सामाजिक परिवर्त्तन के प्रमुख स्त्रोत एवं परिवर्त्तन के प्रतिरोधी तत्वों के प्रमुख स्त्रोत, पश्चिमी का प्रभाव, सुधारवादी आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, औद्योगिकरण एवं शहरीकरण, दबाव समूह, नियोजित परिवर्त्तन के तत्व, पंचवर्षीय योजनाएँ, विधायी एवं प्रशासकीय उपाय – परिवर्त्तन की प्रक्रिया–सांस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण, आधुनिकीकरण के साधन, जनसम्पर्क साधन एवं शिक्षा, परिवर्त्तन एवं आधुनिकीकरण की समस्या, संरचनात्मक विसंगतियाँ और व्यवधान। वर्त्तमान सामाजिक दुर्गुण–भ्रष्टाचार और पक्षपात, तस्करी–कालाधन।